# छेड़का बना ग्रामीण पर्यटन की नई पहचान

## होमस्टे में वरिष्ठ अधिकारियों का रात्रि प्रवास, खेला गिल्ली-डंडा

**नर्मदापुरम, 30 मई. प्रकृति और ग्रामीण जीवनशैली को नजदीक से समझने के उद्देश्य से जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सोहागपुर विकासखंड के ग्राम छेड़का पहुंचे. यहां अधिकारियों ने ग्राम छेड़का स्थित होमस्टे में रात्रि प्रवास कर ग्रामीण पर्यटन गतिविधियों का अवलोकन किया. इस दौरान उन्होंने पारंपरिक खाट पर रात बिताई और सुबह बैलगाड़ी की सैर कर गांव के जीवन का अनुभव लिया.**

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों ने स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली और ग्रामीण परिवेश को करीब से जाना। उन्होंने गिल्ली-डंडा जैसे पारंपरिक खेलों में हिस्सा लेकर बचपन की यादें ताजा कीं तथा ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनकी जीवनशैली को समझने का प्रयास किया.

जिले में एक जिला एक उत्पाद पहल के अंतर्गत मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं. इसी क्रम में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत इंडियन ग्रामीण सर्विसेस के सहयोग से सोहागपुर विकासखंड के ग्राम छेड़का स्थित होमस्टे में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का रात्रि प्रवास आयोजित किया गया. कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण थोटा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन एवं वनमंडलाधिकारी गौरव शर्मा ने छेड़का। होमस्टे में रात्रि विश्राम कर ग्रामीण पर्यटन गतिविधियों, स्थानीय संस्कृति तथा सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन मॉडल का अवलोकन किया. अधिकारियों ने होमस्टे संचालन, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की.

कार्यक्रम के प्रथम दिवस शुक्रवार रात्रि को अधिकारियों ने टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रमा एवं अन्य खगोलीय पिंडों का अवलोकन किया.

विशेषज्ञों द्वारा उन्हें खगोलीय घटनाओं, तारामंडल एवं ब्रह्मांड से जुड़ी रोचक जानकारियां प्रदान की गईं. अधिकारियों ने इस गतिविधि को ग्रामीण पर्यटन के लिए एक अभिनव आकर्षण बताते हुए इसकी सराहना की. द्वितीय दिवस प्रातः अधिकारियों ने पारंपरिक ग्रामीण जीवनशैली का अनुभव प्राप्त करते हुए बैलगाड़ी की सवारी की तथा ग्रामीण खेल 'गिल्ली-डंडा' में सहभागिता की. इसके साथ ही स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली को निकटता से जाना. कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण पर्यटन केवल प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित करता है.

> उन्होंने नागरिकों से अपने गांवों की विशिष्ट पहचान, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों को पर्यटन से जोड़कर ग्रामीण पर्यटन को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया. साथ ही पर्यटन स्थलों एवं प्राकृतिक क्षेत्रों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का संदेश भी दिया. एसडीएम सोहागपुर प्रियंका भल्लावी, जनपद पंचायत सीईओ सोहागपुर प्रवल, जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, वन परिक्षेत्र अधिकारी सोहागपुर सामान्य सुमित कुमार पांडे, आईजीएस संस्था के महेश प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

# कैटरिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव

▸ प्लेटफार्म 6-7 खानपान स्टाल का संचालन हुआ बंद

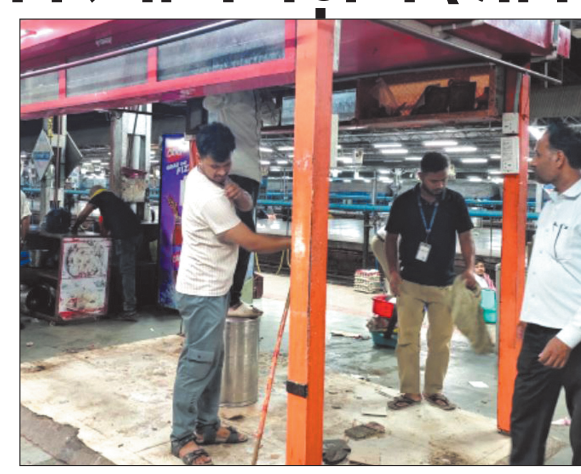

**इटारसी, 30 मई. रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 एवं 7 पर संचालित दो कैटरिंग स्टॉलों को 29-30 मई की मध्यरात्रि में रेलवे प्रशासन द्वारा बंद करा दिया गया। माननीय हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में की गई इस कार्रवाई के बाद स्टेशन की कैटरिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जिन स्थानों पर वर्तमान में मेसर्स गोयल एंड गोयल तथा मेसर्स शिव एंड संस द्वारा स्टॉल संचालित किए जा रहे थे, वहां पूर्व में कंचन कैटर्स के स्टॉल**

संचालित होते थे। रेलवे प्रशासन ने पूर्व में कंचन कैटर्स के स्टॉल बंद कर इन स्थानों को ठेके पर उक्त संचालकों को आवंटित किया था। उस समय रेलवे द्वारा जारी आदेश में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि यदि कंचन कैटर्स न्यायालय से मामला जीतता है तो संबंधित स्टॉलों को हटाया जाएगा। तत्कालीन समय में कंचन के स्टॉलो को हटाया गया था इस मामले को कंचन कैटर्स ने न्यायालय में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने

विगत दिनों कंचन कैटर्स के पक्ष में निर्णय दिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल ने संबंधित स्टॉल संचालकों को स्थान खाली करने के निर्देश जारी किए थे। नोटिस में प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर स्थित स्टॉल क्रमांक सीएस 16 को निर्धारित समय सीमा में खाली कर रेलवे प्रशासन को कब्जा सौंपने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही परिसर में रखी सामग्री, फिक्स्चर एवं अन्य उपकरण हटाकर स्थल को मूल स्थिति में

बहाल करने के लिए भी कहा गया था। स्टेशन मास्टर विजय कुमार चौधरी ने बताया कि करीब 3 वर्ष पूर्व कंचन कैटर्स के स्टॉल बंद कर रेलवे द्वारा इन स्टालों का संचालन ठेके के माध्यम से अन्य संचालकों को दिया गया था।

> रेलवे ने उस समय ही यह शर्त रखी गई थी कि यदि कंचन कैटर्स न्यायालय से मामला जीतता है तो संबंधित स्टॉल हटाए जाएंगे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद रेलवे प्रशासन ने दोनों स्टॉलों को हटाने की कार्रवाई की है। रेलवे प्रशासन के आदेश के बाद दोनों संचालकों ने 29 एवं 30 मई की मध्यरात्रि को अपने स्टॉलों का संचालन बंद कर दिया। देर रात तक चली इस कार्रवाई को लेकर स्टेशन परिसर में यात्रियों और व्यापारिक वर्ग के बीच चर्चा का माहौल बना रहा। अब रेलवे और व्यापारिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद खाली हुए इन स्थानों पर कंचन कैटर्स की वापसी का रास्ता साफ हो गया है।

# भागवत कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**सिवनी मालवा 30 मई. सिवनी मालवा की बलराम पटेल कॉलोनी में महागौरी महिला मंडल द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा पांडाल 'जय श्रीकृष्ण' व 'राधे-राधे' के जयघोष से गूंज उठा।**

पंडित सतीश शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर आसुरी शक्तियां हावी हुई हैं, तब-तब परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर भगवान नारायण ने देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में श्रीकृष्ण अवतार लिया और धर्म तथा प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया।

पंडित शर्मा ने भागवत के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य अत्यंत दुर्लभ होता है। जब भी यह अवसर मिले, उसका सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल कथा सुनना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके बताए मार्ग पर चलकर परमार्थ और धर्म के कार्य करना ही कथा श्रवण की वास्तविक सार्थकता है। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का संक्षिप्त वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने भी धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया था। जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया, समूचा पांडाल भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ झूम उठे और जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं। कथा के दौरान प्रस्तुत मधुर एवं मनमोहक भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भजनों पर नृत्य करते और भक्ति में लीन नजर आए। महागौरी महिला मंडल ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ लेने की अपील की है। कथा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

# सिंदूरी तारे पास दिखे दुर्लभ ब्लू मून

**नर्मदापुरम.** आसमान में अनूठी खगोलीय घटनाओं को देखने के शौकीनों के लिए आज की रात बेहद खास होने जा रही है. नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि आज रात आसमान में ब्लू माइक्रोमून का अद्भुत नजारा दिखाई देगा. यह साल 2026 का सबसे छोटा फुलमून होगा. इस खगोलीय घटना के बारे मे बताया कि ब्लू मून नाम सुनकर लोग यह न समझें कि चांद नीले रंग का दिखेगा. यह सिर्फ एक पारंपरिक नाम है. जब एक ही अंग्रेजी कैलेंडर महीने में दो पूर्णिमा आती हैं, तो दूसरी पूर्णिमा के चांद को ब्लू मून कहा जाता है. इसका कारण यह है कि दो लगातार पूर्णिमाओं के बीच का समय लगभग 29.5 दिन होता है. इस महीने पहली पूर्णिमा 1 मई को थी और आज 31 मई को यह दूसरी पूर्णिमा है. सारिका घारू के अनुसार आज रात चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए अपने सबसे दूर बिंदु यानी एपोजी पर रहेगा.

# पीएम इंटर्नशिप योजना से छात्राओं में उत्साह

**नर्मदापुरम, 30 मई. शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्राओं हेतु प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें विद्यार्थियों को इस योजना से संबंधित जानकारियां दी गई.**

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं को बड़े उद्योगों और कंपनियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है. यह योजना विशेष रूप से 18 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए शुरू की गई है. इंटर्नशिप के दौरान लगभग 9,000 रूपये प्रति माह का स्टाइपेंड दिया जाता है. युवाओं को देश की शीर्ष 500 कंपनियों में काम सीखने का अवसर मिलेगा जिससे वास्तविक कार्य वातावरण का अनुभव प्राप्त होगा. युवाओं को उद्योग आधारित कौशल सीखने का मौका मिलेगा जिससे रोज़गार में अवसर प्राप्त होंगे. कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के युवाओं को कॉर्पोरेट क्षेत्र में अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा. महाविद्यालय की ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ रागिनी सिकरवार ने बताया कि महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से योजना की पात्रता, ऑनलाइन पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज और पोर्टल के उपयोग की चरणबद्ध जानकारी दी गई.

## घायलो को पुलिस ने शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया

**पिपरिया.** घायल ग्रामीणो को पुलिस ने शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया। मंगलवारा थाने के अंतर्गत एसआई मानिकसिंह बट्टी और प्रायवेट चालक पंकज खापरखेडा एक घटना की जांच हेतु जा रहे थे उसी दौरान मुख्य मार्ग पर झाडियों में दो व्यक्ति जख्मी हालत में बेहोश पड़े थे जिन्हे झांडियो से निकाल शासकीय अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान होश में आने पर ज्ञात हुआ कि कल्लू ठाकुर पिता रमेश ठाकुर उम्र 38 वर्ष, साबिरअली पिता कुदरतअली उम्र 60 वर्ष दोनो निवासी खापरखेडा बाइक चलाते समय स्लिप हो जाने से घायल हो गये थे।

# प्रशिक्षण शिविर के कार्यक्रम का समापन

**नर्मदापुरम, 30 मई. पं.रामलाल शर्मा उ.मा.विद्यालय में ग्रीष्म कालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।**

मुख्य अतिथी अरूण शर्मा अध्यक्ष विद्यालय संचालन समिति एवं विशिष्ट अतिथी विद्यालय प्राचार्य सुधीर मिश्रा थे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पं. रामलाल शर्मा उ.मा.विद्यायल में एक मात्र का ग्रीष्म कालीन शतरंज प्रतिशिक्षण शिविर लगाया गया था। शिविर में जिला शतरंज संघ के अधिकारियों द्वारा लगभग पचास बच्चों को प्रात: 9 से 11 बजे तक प्रशिक्षित किया जाता था। समापन के अवसर पर अतिथियों द्वारा बच्चों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष दुबे, मेहरा, दिनेश शर्मा, के.पी. मालवीय आदि उपस्थित थे कार्यक्रम में मुख्य अतिथी अरूण शर्मा ने अपने उद्बोधन में बच्चों एवं माता-पिता को इस शिविर में भाग लेने पर प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में दिनेश शर्मा जी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तथा बच्चों को स्वल्पहार वितरित किया।

**प्रशिक्षण** ▸ बच्चों को शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और व्यक्तित्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन

# ग्वाल टेकरी पर बच्चों ने दिया स्वच्छता संदेश

**हरदा, 30 मई. जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय संस्कार शिविर का समापन शुक्रवार को गुरु जंभेश्वर मंदिर विश्नोई संत आश्रम, नेमावर में गरिमामय वातावरण में हुआ। इस शिविर में बच्चों को शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और व्यक्तित्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया.**

शिविर की अध्यक्षता संयोजक स्वामी आत्मानंद जी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मध्य क्षेत्र बिश्नोई सभा के अध्यक्ष आत्माराम पटेल उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में कोषाध्यक्ष श्यामलाल बाबल, लक्ष्मीनारायण पवार और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। राजस्थान से आए प्रशिक्षक हरिराम खीचड़ ने बच्चों को जीवन में शिविर से सीखी बातों को अपनाने की प्रेरणा दी।

नेमीचंद बेनीवाल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर पूरे कार्यक्रम की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया। प्रतिभागी बच्चों ने जंभेश्वर भगवान के 29 नियमों, योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों को गहराई से समझा। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विजेता बच्चों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी शिविरार्थियों को प्रशस्ति पत्र और बैग देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आत्माराम पटेल ने कहा कि बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान और सेवा करनी चाहिए इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है।